

ASMI- The Gender Sensitization Committee of RLAC

~ I Exist

The term gender contains socially and culturally constructed roles imparted to the members of society based on their biological identities. Throughout history, society has practiced the power equation to discriminate its members on the basis of their gender. In a patriarchal system, where the power is accumulated in the hands of a group of male members, the other genders are usually seen as subordinate and dominated by their male counterparts. The constructed gender identities and specific roles by which we are identified has created a huge barrier for women and third gender to assert their voices as equals. It is unfortunate that the biological differences have been established in such a way to determine the destiny of people as superior or inferior. As a result of prolonged discriminatory practices, we have internalized the idea of otherness. In the case of third gender this otherness is rather more stringent to the extent that we hardly notice their representation in any sphere of society. Our conditioning has placed the gendered identity above humanity. We live in the world of technological advancement and claim to be progressive yet the disparity and atrocities against women and third gender continue to take place on psychological, physical and emotional levels. Even though our Constitution grants equal rights to all citizens, it is not translated in our everyday practices. Hence, it is pertinent to address these issues among the young generation of our time for they could bring the internal as well as external changes to the age-longed tribulations of our society.

ASMI- (The Gender Sensitization Committee of RLAC) is pledged to make the students aware about gender related issues and individual's rights irrespective of their gender identities. The name ASMI is significant in defining the aim of this society. The word ASMI means "I am or I exist." Etymologically it comes from Sanskrit *dhaturoop* "AS" which means – "to exist." The gender sensitization club of RLAC runs with the motto that everyone's existence is significant in the same way as ours to us. It promotes the idea of inclusiveness and harmonious co-existence among each entity in the world for a better future. The members of ASMI organize various student centric activities such as performing arts competitions, poster and slogan writings, field survey, talks, seminars, conferences and workshops on numerous aspects of gender issues. The society has started an E-journal on gender sensitization for the students to give a creative platform for their understanding of gender related issues. Our purpose is to make the students a better human being first. By focusing on the harsh realities which in general are swept beneath the carpet, students are enabled to question gender related concerns open-mindedly and discard the ills of antiquity. The various components of society consist of **Gender Champions, Members and E-Journal Editors.**

‘अस्मि’

~मेंहूँ

‘जेंडर’ की अवधारणा एक समाज में लैंगिक आधार पर निर्धारित सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान से बनती है | हिन्दी भाषा में जेंडर का अनुवाद ‘लैंगिक अस्मिता’ किया जा सकता है | हमारा मानव-इतिहास लैंगिक भेदभाव से संचालित शक्ति समीकरणों से भरा पड़ा है | एक ऐसी पितृसत्तात्मक व्यवस्था में, जो आमतौर पर पुरुष समूहों से संचालित हो अन्य लैंगिक पहचानों का दमन और अधीनता स्वाभाविक है | हम सभी समाज-निर्मित लैंगिक अस्मिताओं और प्रदत्त भूमिकाओं से पहचाने जाते हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस व्यवस्थाने अक्सर स्त्रियाँ और तीसरे जेंडर द्वारा बराबरी की आवाज़ बुलंद किये जाने में बाधाये पैदा की है | यह आश्चर्यजनक है कि सामान्य प्राकृतिक जैविक विभेद को भी समाज ने श्रेष्ठ और हीन वर्गों में स्तरीकृत कर दिया है | जन्म से ही उनकी नियति लिंग के आधार पर तय है | दीर्घ अवधिके विभेदिकरण ने हमारे समाज में ‘अन्य’ की अवधारणा को जन्म दिया है | खासकर करतीसरे जेंडर के सन्दर्भ में यह अवधारणा इस हद तक कठोर है कि समाज के किसी भी संवृत्त में उनकी उपस्थिति महसूस ही नहीं होती | हमारे विचारों का पोषण कुछ इस तरह हुआ है कि हम हमेशा लैंगिक अस्मिता को मानवीय अस्मिता के ऊपर रखते हैं | आज हम एक तकनीकी रूप से विकसित दुनिया में जी रहे हैं | एक वैज्ञानिक प्रगतिशील दुनिया में जीने की दावेदारी के बावजूद आज भी स्त्री एवं तीसरे जेंडर के साथ मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और शारीरिक अत्याचार हो रहा है | संविधान प्रदत्त बराबरी के अधिकारों का व्यवहार रूप हमारे दैनिक जीवन में कहीं नहीं दिखता | इसलिए यह जरूरी है कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के मानसिक पर्यावरण को इस कदर शिक्षित और संवेदित किया जाए कि भविष्य का समाज इस गैर बराबरी, कृत्रिम स्तरीकरण और लैंगिक आक्रामकता से मुक्ति पा सके |

‘अस्मि’ – रामलाल आनंद कॉलेज की ‘लैंगिक अस्मिता संवेदीकरण समिति’ इसी दिशा में एक कदम है | अस्मि शब्द संस्कृत के धातुरूप ‘अस्’ से निर्मित है जिसका अर्थ-सन्दर्भ है - ‘मेरा अस्तित्व है’ | अपने नाम की तरह ही इस समितिका उद्देश्य सभी के अस्तित्व को मान्यता और महत्त्व दिलाना है | हमारी यह समिति ‘सर्व-समावेशीकरण और सह-अस्तित्व’ के विचार को प्रस्तावित करती है | इसका उद्देश्य कॉलेज में विशेषकर युवा छात्रों में लैंगिक विभेद सम्बंधी मुद्दों और व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना है | नयी पीढ़ी में लैंगिक अस्मिता के प्रति उठने वाली सहज उत्सुकताओं और असहज प्रश्नों को संबोधित करना भी इस समितिका दायित्व है | इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए यह समिति जेंडर सम्बन्धी विषयों पर विविध छात्रकेन्द्रित गतिविधियों का आयोजन कर

तीहैं- जैसे - विविधरंग-कलाआयोजन ,रचनात्मकलेखन,पोस्टरनिर्माण,क्षेत्रसर्वेक्षण ,संगोष्ठी ,वैचारिकसम्मलेन,कार्यशालाएं,वाद-विवादप्रतियोगिताएंआदि
|छात्रोंकीरचनात्मकताऔरबौद्धिकताकोप्रोत्साहितकरनेकेलियेईजर्नल 'अस्मि
'इससमितिकाएकमहत्वपूर्णमंचहै।येसभीगतिविधियाँविद्यार्थियोंमेंएकबेहतरऔरउदारमनुष्यबननेकासाहसऔरसं
घर्षकीचेतनाविकसितकरतीहैं।इससमितिकाहमारालक्ष्यविद्यार्थियोंकोएकलैंगिकपहचानबननेसेपहलेएकमनुष्यबन
नासिखानाहै |

The Faculty Coordinators are:

1. Dr. Shruti Anand- Convener
2. Ms. Deepshikha Kumari- Co-convener
3. Dr. Manvesh Nath Das- Member
4. Dr. Ritu Vats- Member
5. Dr. Nidhi Chandra- Member
6. Dr. Kuldeep Singh- member

Existing Gender Champions are:

1. Ms. Jennis Jacob- BA H English
2. Ms. Rishika Parasher- BA

विद्यार्थीइससमितिसेतीनरूपोंमेंजुडसकतेहैं-

- 1 **जेंडरचैम्पियनबनकर**- जेंडरचैम्पियन□□कार्यहै -कॉलेजकेपर्यावरणमेंजेंडरसमतास्थापितकरना,
□□□□कीगतिविधियों□□परिकल्पनाऔरकार्यान्वयनमेंसहयोगकरना,
□□□□कीजेंडरसम्बंधीमान्यताओंकाप्रतिनिधित्वकरना।
- 2 **समितिकासदस्यबनकर**-कॉलेजकेपर्यावरणमेंजेंडरसमतास्थापितकरना,
□□□□कीगतिविधियों□□परिकल्पनाऔरकार्यान्वयनमेंसहयोगकरना,
□□□□कीजेंडरसम्बंधीमान्यताओंकाप्रतिनिधित्वकरना, समितिकीविभिन्नगतिविधियोंमेंभागलेना।
- 3 **ईजर्नलअस्मिकेसंपादकबनकर** -अस्मिपत्रिकाएकईजर्नलहै।इसकेलियेहिन्दीवअन्ग्रेजीदोनों भाषाओं के
□□□□संपादकमंडलकागठनकियाजानाहै।

उपरोक्ततीनोमंचोंमेंसदस्यबननेकेलियेइच्छुकसभी छात्रोंकीप्रविष्टियांआमंत्रितहैं।

रजिस्ट्रेशनकीअन्तिमतिथि 25 अक्टूबर 2020 है, रजिस्ट्रेशनलिंकनीचेदियेगयेहैं। रजिस्ट्रेशन केवल कॉलेज के ईमेल आईडी से ही कराया जा सकता है ।

Registrations are open for the positions of Gender Champions, members and E-Journal editors. Interested candidates please open a separate link and fill all the details. It can be accessed only through college email ID. You are allowed to apply for all the positions. The last day of form submission is 25th Oct 2020.

<https://forms.gle/jdbLpEAaUpLByVjr8> Registration for Membership

<https://forms.gle/eMnCeKt4Pa2Bgyd27> Registration for Editorship

<https://forms.gle/vMzUybss3G2Qcy7b9> Registration for Gender Champions